हिंदी सांध्य दैनिक

भवानी टाईम्स

प्रधान संपादक : चंद्रकांत खंडेलवाल, 9422831140

RNI Reg.NO.39851/1981

E-mail : bhawanitimes@gmail.com

संपादक : प्रदिप शेंडे, 9823924676

वर्ष : 46 अंक : 82 गोंदिया, मंगलवार दि. 25 अगस्त 2026 पृष्ठ : 04 मूल्य : 1.10 रू Post Redg.NPMFL/27/2024-2026

मार्ग पर खड़े रहकर बस का इंतजार

सालेकसा : बस स्टैंड पर आने-जाने वाले यात्रियों को बारिश से बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं है. सबसे जरूरी यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा ही नहीं है और बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सड़क पर खड़े होकर बसों का इंतजार करते देखे जा रहे हैं. इतने वर्ष बाद भी बस स्टैंड उपलब्ध नहीं होने से आदिवासी व आम नागरिकों को सड़क पर खड़े रहकर बस या अन्य साधनों का इंतजार करना पड़ता है. यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बस स्टैंड का निर्माण करने की मांग की गई है.

संक्षिप्त

सुअर बीच में आने से दोपहिया दुर्घटनाग्रस्त

गोंदिया : नवेगांवबांध में जंगली सुअर के सामने आने से पांढरवानी निवासी समीर नेताराम लांजेवार (26) दोपहिया से गिरकर घायल हो गया. उसे इलाज के लिए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में भर्ती कराया गया. जहां उसका इलाज चल रहा है.

सट्टापट्टी लेते पकड़ा

गोंदिया : शहर पुलिस ने बाजपेयी चौक परिसर में सट्टा लेते हुए एक व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया. आरोपी का नाम बजाज वार्ड पैकनटोली निवासी मांगिलाल तुकाराम चौधरी (55) बतया गया है. यह कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक घाड़गे, हवलदार राजेश पुराम, सुनील कापसे और अनोख कुसराम ने की.

तंबाकूजन्य पदार्थ जब्त

गोंदिया : सालेकसा पुलिस ने ग्राम लोहारा और साखरीटोला में पान टपरियों से तंबाकूजन्य पदार्थ जब्त किए. पहली कार्रवाई में रवींद्र तेजलाल रहांगडाले (45) की पान टपरी से सुगंधित तंबाकू बरामद किया गया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया. वहीं दूसरी कार्रवाई ग्राम पानगांव निवासी निलेश मनिराम मेश्राम (28) के खिलाफ की गई.

मोटरसाइकिल चोरी

गोंदिया : ग्रामीण थाने के तहत खमारी निवासी फिर्यादी अतुल निलकंठ लिमजे (28) की मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 एडी 0146 को अज्ञात व्यक्ति ने खमारी के लेक विव होटल के बाजू से चुरा लिया. जिसकी कीमत 11 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

फांसी लगाकर की आत्महत्या

गोंदिया : सालेकसा थाने के तहत जोशीटोला निवासी डेवीड शालिकराम ठाकरे (26) ने अपने घर पर दुपट्टे की मदद से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. उल्लेखनीय है कि वह बाहर गांव से घर आया था और किसी से कोई बात नहीं कर रहा था. फिर्यादी शालिकराम गंगाराम ठाकरे (49) की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

सड़क दुर्घटना में 2 लोग घायल

गोंदिया : जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में हुई दो दुर्घटनाओं में एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए. पहली घटना शहर थाने के तहत प्रभात टॉकीज के पास हुई. मरारटोली निवासी गौरव गणेश जामरे (22) ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए लक्ष्मी वार्ड निवासी नमिता रमेश अग्रवाल (50) को टक्कर मार दी. दुर्घटना में उनके सिर, कंधे और पैर में गंभीर चोटें आईं. फिर्यादी भानु रमेश अग्रवाल की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

एरियर्स बिल निकालने ७ हजार की रिश्वत

स्वास्थ्य सेवक रंगेहाथ गिरफ्तार, वरिष्ठ लिपिक भी हिरासत में

संवाददाता / गोंदिया

नक्षल प्रोत्साहन भत्ता के एरियर्स बिल निकालने के नाम पर 7 हजार रुपए की रिश्वत मांगने वाले जिला हिवताप कार्यालय के स्वास्थ्य सेवक को लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग (एसीबी) गोंदिया की टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में रिश्वत स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक को भी हिरासत में लिया गया है। दोनों के खिलाफ गोंदिया शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू है।

एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता जिला हिवताप विभाग में स्वास्थ्य सेवक के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2016 में नियमित रूप से सेवानिवृत्त हुए थे। फरवरी 2026 में उनका निधन हो गया। इसके बाद शिकायतकर्ता अपनी

मां के पारिवारिक पेंशन संबंधी जानकारी लेने मार्च 2026 में जिला हिवताप कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक नीरजकुमार नरेश अग्रवाल (40) ने शिकायतकर्ता को बताया कि उनके पिता के नक्षल प्रोत्साहन भत्ते का एरियर्स बिल भी बकाया है और उसे निकलवाने के लिए 6 हजार रुपए देने होंगे। जून 2026 में शिकायतकर्ता बिल के संबंध में दोबारा कार्यालय पहुंचे तो आरोपी अग्रवाल ने उन्हें कार्यालय में कार्यरत स्वास्थ्य सेवक मारुती यादव दिपेवाड (39) से मिलने को कहा। शिकायतकर्ता ने जब दिपेवाड से संपर्क किया तो उसने भी एरियर्स बिल निकालने के लिए 7 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की। 21 अगस्त को शिकायतकर्ता ने आरोपी से फिर बिल के संबंध में पूछताछ की। इस दौरान आरोपी ने 7 हजार रुपए की रिश्वत की मांग दोहराई। रिश्वत देने की इच्छा नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने 24 अगस्त को एसीबी गोंदिया में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि के लिए एसीबी ने पंचों और वॉयस रिकॉर्डर के साथ शिकायतकर्ता को आरोपियों के कार्यालय में भेजा। इस दौरान स्वास्थ्य सेवक मारुती दिपेवाड ने नक्षल प्रोत्साहन भत्ता एरियर्स बिल का काम करने के लिए 7 हजार रुपए की मांग की और रकम स्वीकार करने की तैयारी दर्शाई। वहीं वरिष्ठ लिपिक नीरजकुमार अग्रवाल ने दिपेवाड को रिश्वत स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद एसीबी ने 24 अगस्त को जाल बिछाया। शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम और वॉयस रिकॉर्डर के साथ जिला हिवताप कार्यालय भेजा गया। वहां मारुती यादव दिपेवाड ने 7 हजार रुपए की रिश्वत स्वीकार कर ली, जिसके बाद एसीबी टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। उसी समय कार्यालय में मौजूद वरिष्ठ लिपिक नीरजकुमार अग्रवाल को भी हिरासत में लिया गया। आरोपियों के खिलाफ गोंदिया शहर पुलिस थाने में भ्रष्टाचार प्रतिबंधक कानून के तहत अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी।

इन अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई पोलीस निरीक्षक अरविंद राऊत, लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग, गोंदिया के नेतृत्व में की गई। पर्यवेक्षण अधिकारी पोलीस उपअधीक्षक निलेश लोधी थे। टीम में पोलीस निरीक्षक उमाकांत उगले, एएसआई करपे, हेड कांस्टेबल बोहरे, हेड कांस्टेबल कहालकर, एनपीसी शेंडे, एनपीसी बोपचे, एनपीसी कापसे, एनपीसी काटकर, एनपीसी सोनवणे, एनपीसी बाटबर्वे, एलएनपीसी पटले तथा एलएनपीसी डांगे शामिल रहे। कार्रवाई को पोलीस अधीक्षक, लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग नागपूर दिंगबर प्रधान, अपर पोलीस अधीक्षक माधुरी बाविस्कर तथा अपर पोलीस अधीक्षक विजय माहुलकर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जर्जर मकान की दीवार गिरने से दो वर्षीय बच्ची की दुर्भाग्यपूर्ण मौत

संवाददाता / गोंदिया

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नम हुई एक जर्जर मकान की दीवार अचानक गिरने से दो वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत होने की हृदयविदारक घटना अर्जुनी मोरगांव तालुका के खामखुरा में घटी। प्रतीक्षा मुकेश राऊत (उम्र 2 वर्ष, निवासी कोरंभी) इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृत बच्ची का नाम है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रतीक्षा के माता-पिता खेतिहर मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते हैं। काम पर जाने से पहले उसके पिता उसे रोज सुबह खामखुरा स्थित रिश्तेदार केशव नेवारे के घर लाकर छोड़ते थे और काम खत्म होने के बाद शाम को वापस घर ले जाते थे। हमेशा की तरह आज दोपहर करीब साढ़े बारह बजे मासूम प्रतीक्षा घर के सामने आंगन में खेल रही थी। उसी समय पड़ोस में स्थित विलास नेवारे के जर्जर मकान की बारिश के पानी से नम हुई मिट्टी की दीवार अचानक उसके ऊपर गिर गई। दीवार के मलबे के नीचे गंभीर रूप से दब जाने से प्रतीक्षा की मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

इस भीषण दुर्घटना की जानकारी मिलते ही खामखुरा के पुलिस पाटील जयप्रकाश लाडे ने तुरंत बीट अमलदार सुभाष डोंगरवार को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया।

इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से कोरंभी और खामखुरा दोनों गांवों में शोक की लहर फैल गई है और हर ओर दुख व्यक्त किया जा रहा है। अत्यंत गरीब इस पीड़ित खेतिहर मजदूर परिवार को सरकार द्वारा तत्काल आर्थिक एवं अनुग्रह सहायता घोषित की जाए, ऐसी जोरदार मांग ग्रामीणों ने की है। घटना की आगे की जांच बीट अमलदार सुभाष डोंगरवार व उनके सहयोगी तुलवी कर रहे हैं।

जमीन के विवाद में मारपीट, सात पर मामला दर्ज

संवाददाता / आमगांव

देवरी मार्ग स्थित गट क्रमांक 460-अ की करीब 4 हेक्टेयर जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहा विवाद अब मारपीट और अतिक्रमण के प्रयास तक पहुंच गया है. जैन परिवार की ओर से आयोजित पत्र परिषद में आरोप लगाया गया कि कुछ लोगों ने उनकी मिल्कियत की जमीन पर अवैध रूप से रास्ता दर्शाकर कब्जा करने का प्रयास किया. इसी विवाद के दौरान अनिकेत जैन के साथ मारपीट की गई. संतोष जैन एवं परिवार के सदस्यों ने

बताया कि गट क्रमांक 460-अ की जमीन से संबंधित शासकीय अभिलेख, दस्तावेज, माप-नक्शे और क-प्रति उनके पास उपलब्ध हैं. गट क्रमांक 459 को गैर-कृषि करने की प्रक्रिया के दौरान कुछ दस्तावेजों एवं नक्शों में गट क्रमांक 460-अ की जमीन से रास्ता दर्शाया गया है. परिवार ने इन दस्तावेजों की सत्यता की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

जैन परिजनों के अनुसार, 21 अगस्त को योगेश असाटी, विश्वनाथ मानकर समेत कुछ लोग गट क्रमांक 460-अ में पहुंचे. जेसीबी और टिप्पर की मदद से जमीन पर रास्ता बनाने का प्रयास किया गया तथा सीमांकन के सीमेंट पोल एवं कंपाउंड के पोल तोड़ दिए गए. मौके पर पहुंचे अनिकेत जैन ने इसका विरोध किया. इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ मारपीट की. पुलिस ने अनिकेत जैन की शिकायत पर योगेश असाटी, चंद्रा कमैया, चालूराज कमैया, विश्वनाथ मानकर, गीता भांडारकर, हेमलता तोंडरे और वीरेंद्र कव्वासे के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पत्र परिषद में खुशालचंद जैन, महेंद्र जैन, दिनेश जैन, संतोष जैन और अनिकेत जैन उपस्थित थे. परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है.

बेरोजगार व्यक्तियों के लिए 'सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन व रीपेरिंग'

व्यवसाय का निःशुल्क प्रशिक्षण

संवाददाता / गोंदिया

बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था कुडवा (गोंदिया) द्वारा जिले के बेरोजगार युवक व युवतियों को स्वरोजगार करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रकार के स्वरोजगार प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। यह संस्था भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित की जाती है। स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था ने आज तक 10,713 ग्रामीण व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से 7,875 व्यक्तियों ने प्राप्त प्रशिक्षण के आधार पर स्वरोजगार शुरू किया है।

बैंक ऑफ इंडिया (आरसेटी) स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था द्वारा बेरोजगार 18 से 50 आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन व रीपेरिंग' व्यवसाय का 13 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

लेकिन आरसेटी को कोर्स शुरू करने के लिए कम से कम 30 से 35 उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है। साथ ही इस संस्था में विभिन्न प्रकार के कोर्स निःशुल्क हैं और रहने, भोजन की निःशुल्क व्यवस्था प्रशिक्षण संस्था में ही की जा रही है। इसके लिए गोंदिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के इच्छुक लोग अधिक से अधिक संख्या में और जल्द से जल्द संस्था में आकर अपना नाम पंजीकृत कराएं।

ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षित बेरोजगार इस अवसर का लाभ उठाएं और तकनीकी प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार करें। ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र निदेशक, स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, वाहने पैलेस, हरिणखेड़े पेट्रोलपंप के पास, तिरोड़ा रोड, कुडवा (गोंदिया) में तुरंत जमा करें। अधिक जानकारी के लिए 9834895077/ 8698140105/8788625680 पर संपर्क करें, ऐसा संस्था के निदेशक अब्दुल वसीम ने सूचित किया है।

मृदा व जलसंवर्धन रील्स स्पर्धेला 31 ऑगस्टपर्यंत मुदतवाढ

क्षेत्रीय स्तरावरील उत्स्फूर्त प्रतिसादाची दखल

संवाददाता / गोंदिया

माजी मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुधाकरराव नाईक यांच्या कार्याला अभिवादन म्हणून 21 ऑगस्ट रोजी राज्यभर 'जलसंधारण दिन' साजरा करण्यात आला. यानिमित्त मृदा व जलसंवर्धनाबाबत व्यापक जनजागृती करण्यासाठी आयोजित करण्यात आलेल्या 'महा वॉकेथॉन-वॉक फॉर वॉटर' आणि 'मृदा व जलसंवर्धन रील्स स्पर्धे'ला नागरिकांचा उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिळाला.

या स्पर्धेसाठी यापूर्वी 19 ऑगस्ट 2026 पर्यंत रील्स अपलोड करण्याची मुदत निश्चित करण्यात आली होती. परंतु नागरिकांच्या उत्स्फूर्त प्रतिसादाची दखल घेत मृदा व जलसंवर्धन रील्स स्पर्धेसाठी रील्स अपलोड करण्याची मुदत आता 31 ऑगस्ट 2026 पर्यंत वाढविण्यात आली आहे, अशी माहिती मृदा व जलसंधारण मंत्री संजय राठोड यांनी दिली.

मृदा व जलसंवर्धनाबाबत नागरिक, विद्यार्थी आणि युवकांमध्ये जनजागृती व्हावी, तसेच या विषयाशी संबंधित नाविन्यपूर्ण उपक्रमांना प्रोत्साहन मिळावे, या उद्देशाने रील्स स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले आहे.

मात्र, क्षेत्रीय स्तरावर या स्पर्धेला मिळालेला उत्स्फूर्त प्रतिसाद आणि रील्स तयार करून अपलोड करण्यासाठी उपलब्ध झालेला कमी कालावधी लक्षात घेऊन स्पर्धेला मुदतवाढ देण्याची मागणी करण्यात आली होती. या मागणीची दखल घेत रील्स अपलोड करण्याची अंतिम मुदत 31 ऑगस्ट 2026 पर्यंत वाढविण्याचा शासन निर्णय घेण्यात आला असल्याचे त्यांनी सांगितले.

मृदा व जलसंधारण ही केवळ शासनाची जबाबदारी नसून, त्यामध्ये समाजातील प्रत्येक घटकाचा सहभाग आवश्यक आहे. 'माती वाचवा, पाणी जपा, सुरक्षित भविष्य घडवा' या संदेशातून नागरिकांनी या अभियानात सहभागी व्हावे आणि आपल्या सर्जनशीलतेच्या माध्यमातून मृदा व जलसंधारणाचा संदेश अधिकाधिक लोकांपर्यंत पोहोचवावा, असे आवाहन करण्यात आले आहे.

लिटिल वुड्स में शानदार कार्यक्रम

गोंदिया : लिटिल वुड्स इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक आशीष अग्रवाल, रेशमा अग्रवाल, प्रधानाचार्य पंकज शर्मा, प्रबंधक दीपेंद्र चव्हाण, सलाहकार मधु पांडे तथा काउंसिलर बरखा राऊत की उपस्थिति में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ. विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषणों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के महत्व, स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास, शहीदों के योगदान और नागरिकों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला. मिहिका अग्रवाल और प्राची नुनानी के प्रभावी भाषणों की सराहना हुई. तनिष्का गुप्ता एवं वाणी भाजीपाले ने मंच संचालन किया. प्री प्राइमरी के छात्रों की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया

6-8 घंटे पैसेंजर ट्रेन रोकने पर यात्रियों का आक्रोश

नवेगांवबांध : गोंदिया-बल्लारशाह और बल्लारशाह-गोंदिया मार्ग पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों की अनिश्चित व घंटों की देरी से यात्रियों का सब्र जवाब देने लगा है. 22 अगस्त को गोंदिया-बल्लारशाह पैसेंजर ट्रेन क्र. 68815 तथा बल्लारशाह-गोंदिया पैसेंजर ट्रेन क्र. 68804 निर्धारित समय से करीब 4 से 6 घंटे देरी से चलने के कारण सिंदेवाही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का आक्रोश देखने को मिला. गोंदिया-बल्लारशाह रेलमार्ग पर ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी अब यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है. सिंदेवाही स्टेशन पर छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में यात्री घंटों ट्रेन का इंतजार करते रहे. धधूख-प्यास से परेशान यात्रियों ने आखिरकार रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई. संतप्त यात्रियों ने आरोप लगाया कि मालगाड़ियों को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है और इसके चलते सामान्य यात्रियों की पैसेंजर ट्रेनों को घंटों रोककर रखा जा रहा है. परेशान यात्रियों ने स्टेशन मास्टर से मुलाकात कर रेलवे के अव्यवस्थित संचालन पर नाराजगी जताई. साथ ही शिकायत पुस्तिका में रसीद क्र. 106517 के तहत लिखित शिकायत दर्ज कराई. लिखित शिकायत सामने आने के बाद स्टेशन मास्टर ने वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया. इसके बाद ट्रेन रवाना की गई.

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता, तिरोड़ा नगर परिषद ने वितरित किए PPE किट

संवाददाता / तिरोड़ा

नगर परिषद की महिला एवं बाल कल्याण सभापति डॉ. कुमुद संदीप मेश्राम की पहल से नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों को कार्य के दौरान सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक PPE किट उपलब्ध कराए गए हैं। PPE किट मिलने से सफाई कर्मचारियों में संतोष का माहौल है। डॉ. कुमुद मेश्राम ने पिछले सप्ताह महिला सफाई कर्मचारियों की बैठक लेकर उनकी समस्याओं और कार्यस्थल पर आने वाली कठिनाइयों की जानकारी ली थी। इस

दौरान सफाई कर्मचारियों ने कार्य करते समय स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से PPE किट उपलब्ध कराने की मांग रखी थी। मांग की गंभीरता को देखते हुए डॉ. मेश्राम ने तत्काल नगर परिषद के मुख्याधिकारी, अध्यक्ष तथा स्थायी समिति के सदस्यों के साथ चर्चा की। साथ ही स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विभाग के सभापति राजेश गुनेरिया के साथ समन्वय स्थापित कर नगर परिषद की ओर से सफाई कर्मचारियों के लिए PPE किट की व्यवस्था कराई गई। PPE किट उपलब्ध होने पर सफाई कर्मचारियों ने डॉ. कुमुद मेश्राम का आभार व्यक्त किया। कर्मचारियों ने कहा कि कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरण मिलने से उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

इस अवसर पर डॉ. कुमुद संदीप मेश्राम ने कहा कि नगर परिषद के मुख्याधिकारी अमोल मालकर, नगराध्यक्ष अशोक असाटी, उपाध्यक्ष राजेश गुनेरिया, विजय बनसोड, अजय गौर, देवेंद्र तिवारी तथा निर्माण सभापति कदार मंसूरी सहित नगर परिषद के सभी पदाधिकारी कर्मचारियों और शहर के नागरिकों के हित में सदैव तत्पर हैं। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

संपादकीय

मिठास पर महंगाई का कड़वा साया

त्योहारी सीजन की दस्तक के साथ ही बाजारों में रौनक लौटने लगी है। गणेशोत्सव, दुर्गापूजा, दीपावली और छठ पूजा जैसे प्रमुख त्यौहारों के आगमन से जहाँ एक तरफ आम जनता में उत्साह का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ महंगाई के कड़वे घूंट ने त्यौहारों की मिठास को फीका करना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे पर्वों का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे खाद्य सामग्रियों की मांग अपने चरम पर पहुंच रही है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इसी नाजुक वक्त में चीनी सहित अन्य तमाम जीवन आवश्यक वस्तुओं के दामों में अचानक अप्रत्याशित उछाल देखने को मिल रहा है। त्योहारी सीजन की आड़ में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हुई इस एकाएक बढ़ोतरी ने आम नागरिक और मध्यमवर्गीय परिवारों के मासिक बजट की कमर तोड़कर रख दी है।

चीनी के दामों में हुई अचानक और तीव्र वृद्धि ने हर वर्ग के नागरिक के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। भारतीय समाज में किसी भी त्यौहार या मांगलिक अवसर का सीधा सरोकार मिठास से होता है। घरों में बनने वाले तरह-तरह के पकवानों से लेकर बाजार में बिकने वाली मिठाइयों तक, चीनी हर घर और रसोई की सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। ऐसे में चीनी के दाम आसमान छूने का सीधा असर केवल गृहिणियों की रसोई तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव छोटे हलवाइयों, मिष्ठान विक्रेताओं, बेकरी व्यवसायियों और कुटीर उद्योगों पर भी पड़ा है। चिंता की बात यह भी है कि केवल चीनी ही नहीं, बल्कि इसके साथ-साथ एडिबल ऑयल (खाद्य तेल), मैदा, बेसन, सूजी और ड्राई फ्रूट्स (सूखे मेवों) की कीमतें भी समानांतर रूप से चढ़ रही हैं। नतीजतन, जिस त्यौहार को उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाना चाहिए था, वह अब आम परिवार के लिए आर्थिक तनाव का कारण बनता जा रहा है।

यहाँ सबसे गंभीर और यक्ष प्रश्न यह खड़ा होता है कि आखिर हर साल किसी भी बड़े त्योहारी सीजन की शुरुआत होते ही आवश्यक खाद्य सामग्रियों की कृत्रिम किल्लत और दामों में अचानक यह भारी उछाल क्यों देखने को मिलता है? क्या यह महज 'मांग और आपूर्ति' (अर्स्ईं ह् एल्ज्ज्त्ब) के प्राकृतिक गणित का नतीजा है, या फिर इसके पीछे मुनाफाखोरों, जमाखोरों और बड़े थोक व्यापारियों का कोई सुनियोजित व संगठित सिंडिकेट काम कर रहा है? अक्सर यह देखा गया है कि त्यौहारों का मौसम आते ही बिचौलिए गोदामों में माल की कालाबाजारी और अवैध भंडारण शुरू कर देते हैं। बाजार में कृत्रिम अभाव (ूंगिर्मेत्एर्मम्ूब) पैदा करके आम जनता से मनमाने दाम वसूलना एक परिपाटी बन चुका है। विडंबना यह है कि बाजार व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण और प्रशासनिक निगरानी के अभाव के कारण ऐसे असामाजिक और मुनाफाखोर तत्वों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

आम जनता में इस बात को लेकर गहरा असंतोष और निराशा है कि शासन-प्रशासन को इस बात का भली-भांति अहसास होता है कि त्यौहारों के दौरान किन-किन वस्तुओं की खपत बढ़ती है और किन चीजों के दाम बढ़ने की आशंका रहती है। इसके बावजूद समय रहते कोई ठोस, रणनीतिक और निवारक कदम क्यों नहीं उठाए जाते? केवल कागजी बैठकों, खोखले दावों और प्रशासनिक चेतावनियों से जनता को धरातल पर कोई राहत नहीं मिलती। यदि सरकार वास्तव में चाहती है कि राज्य का गरीब से गरीब और मध्यमवर्गीय नागरिक बिना किसी आर्थिक उत्पीड़न के अपने त्यौहार गरिमा और खुशी के साथ मना सके, तो प्रशासनिक तंत्र को तत्काल कड़े और धरातलीय कदम उठाने होंगे।

मनपा को मिहान इंडिया से मिला 5 करोड़ का टैक्स

बकाया संपत्ति कर वसूली अभियान को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

नागपुर : महानगरपालिका की ओर से 10 ज़ोन में बकाया संपत्ति कर की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. जिसे अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. सोमवार को मिहान इंडिया लिमिटेड की ओर से मनपा को 5 करोड़ रुपए का चेक संपत्ति कर के तौर पर प्राप्त हुआ.

महापौर नीता ठाकरे के निर्देश तथा आयुक्त डॉ. विपिन इटनकर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत 1000 करोड़ की बकाया राशि वसूलने का लक्ष्य है. अतिरिक्त आयुक्त मुरुगानंथम एम. और मिलिंद मेश्राम इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं. सोमवार को मिहान इंडिया लिमिटेड की ओर से 5 करोड़ रुपए की बकाया राशि का चेक मनपा को सौंपा गया.

इसके अलावा महानगरपालिका के विशेष अभियान के तहत अब तक म्यूर मेमोरियल हॉस्पिटल से 74,88,424 रुपए तथा होटल सेवन से 10 लाख रुपए का संपत्ति कर वसूल किया गया है. सभी ज़ोन के कर संग्रहकर्ता सीधे बकायेदारों के पास जाकर कर वसूली कर रहे हैं. सोमवार को महापौर नीता ठाकरे, स्थायी समिति अध्यक्ष शिवानी दाणी, सत्तापक्ष नेता बाल्या बोरकर, मनपा आयुक्त डॉ. विपिन इटनकर व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कर वसूली की समीक्षा की गई. अभियान को मिल रहे समर्थन पर खुशी जताई गई. साथ ही प्रभावी तौर पर अभियान आगे भी जारी रखने के निर्देश दिए गए.

...तो होगी कानूनी कार्रवाई

आयुक्त ने व्यावसायिक संपत्तियों और बड़े बकायेदारों को प्राथमिकता देते हुए कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. इसके अनुसार ज़ोन स्तर पर नोटिस जारी करने और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई तेज कर दी गई है. स्थायी समिति सभापति शिवानी दाणी-वखरे, सत्तापक्ष नेता बाल्या बोरकर तथा कर संकलन समिति सभापति सरिता कावरे ने नागरिकों से अपना बकाया संपत्ति कर जमा कर मनपा को सहयोग करने की अपील की है. यह अभियान 30 सितंबर तक जारी रहेगा.

राजूरा में दिनदहाड़े गोली मारकर युवक की हत्या

आरोपियों ने थाने पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

राजूरा : न्यायालय के सामने स्थित प्रदीप बीयर बार के समीप नारियल पानी की दुकान में बैठे विनोद उर्फ पापा जाधव (35), निवासी सोमनाथपुर, की गोली मारकर हत्या कर दी गई. यह सनसनीखेज घटना सोमवार, 24 अगस्त को शाम करीब 5.30 बजे हुई. उसे तीन गोली मारी गईं. जिसमें से एक गोली सिर में लगी. हत्या के दोनों आरोपियों ने राजूरा पुलिस थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया. गिरफ्तार आरोपियों में इंदिरा नगर, राजूरा निवासी करण मेकलवार (22) और करण बाविसकर (24) का समावेश है. बताया जाता है कि आपसी विवाद तथा अवैध व्यवसायों में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है.

जानकारी के अनुसार, विनोद उर्फ पापा जाधव अपने मित्रों के साथ नारियल की दुकान में बैठे थे. इसी दौरान इंदिरा नगर, राजूरा निवासी करण मेकलवार (22) और दीपक बाविसकर (24) कथित तौर पर दोपहिया वाहन से मुंह बांध कर वहां पहुंचे. दोनों ने पापा जाधव को निशाना बनाते हुए उनके सिर और सीने पर पिस्तौल से तीन गोलियां दागीं. गोली लगने से विनोद उर्फ पापा जाधव खून से लथपथ होकर गिर पड़े. घटना की जानकारी मिलते ही राजूरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल जाधव को तत्काल उपजिला अस्पताल पहुंचाया. हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के उपचार के लिए चंद्रपुर रेफर किया गया. उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई.

घटना की सूचना मिलते ही राजूरा के पुलिस निरीक्षक नितिन चिंचोलकर ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया. इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकड़े ने भी घटनास्थल का दौरा करके घटना की जानकारी ली. पुलिस ने आरोपियों से कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया है. मामले की आगे की जांच राजूरा पुलिस कर रही है.

पीड़ित परिवार को दिया मदद का धनादेश

आष्टी : नरसिंगपुर के खेत परिसर में बाघ के हमले में मारे गए आष्टी के कवठीपुरा निवासी 75 वर्षीय किसान भोयर के परिजनों को वन विभाग की ओर से 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई. 22 अगस्त को विधायक सुमित वानखेड़े के हाथों मृतक की पत्नी को 9 लाख 75 हजार रुपए का चेक सौंपा गया.

किसान भोयर खेत में पूजा करने के लिए गए थे. इसी दौरान खेत में घात लगाए बैठे बाघ ने उन पर हमला कर दिया. इस हमले में उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गई. घटना के बाद आष्टी शहर सहित आसपास के क्षेत्र में बाघ की दहशत फैल गई है. घटना तलेगांव शा. प. वन परिक्षेत्र की सीमा में होने के कारण वन विभाग ने भी सतर्कता बढ़ा दी है. घटना के बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी पी.पी. लांबाड़े ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी को 25 हजार की तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई. अंतिम संस्कार के बाद शासन के नियमानुसार आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आर्थिक सहायता का चेक देने की कार्रवाई की गई.

सौंदर्यीकरण के लिए 20 लाख मंजूर

समुद्रपुर : गिरड में अण्णाभाऊ साठे चौक के सौंदर्यीकरण के साथ म्यूरल लगाने के लिए जिला वार्षिक योजना के तहत 20 लाख रुपए की निधि मंजूर की गई है. विधायक समीर कुणावार के प्रयासों से यह निधि मंजूर होने से मातंग समाज के लोगों में खुशी का माहौल है. गिरड के मातंग समाज के लोगों ने लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे के कार्यों को उजागर करने तथा उनकी स्मृतियों को संजोए रखने के लिए चौक का सौंदर्यीकरण करने की मांग विधायक समीर कुणावार से की थी. इस मांग का संज्ञान लेते हुए विधायक कुणावार ने जिला वार्षिक योजना के तहत निधि मंजूर करवाई. गिरड में पहाड़ी की ओर जाने वाले मार्ग के समीप लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे के नाम पर चौक बनाया गया है. इस चौक का आकर्षक तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाएगा. साथ ही यहां अण्णाभाऊ साठे के जीवनकार्य तथा उनके साहित्यिक और सामाजिक योगदान की जानकारी देने वाला म्यूरल स्थापित किया जाएगा. इससे यह चौक केवल यातायात की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक प्रेरणा का केंद्र बनेगा.

2 तस्करों को दबोचा, 17 लाख का माल जब्त

मुंबई से एमडी मंगाकर नागपुर में बेचने की जुगत

नागपुर : क्राइम ब्रांच के मादक पदार्थ विरोधी दस्ते ने मुंबई से एमडी (मेफेड्रोन) पाउडर मंगाकर उसे नागपुर में बेचने की जुगत में लगे दो आरोपियों को सोमवार सुबह सदर थाना क्षेत्र से रंगेहाथ गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से 53 ग्राम 700 मिलीग्राम एमडी ड्रग्स, एक किया सोनेट कार और तीन मोबाइल सहित कुल 17 लाख 11 हजार 200 रुपये का माल जब्त किया है. आरोपियों में कल्याण, ठाणे निवासी संदेश मून (37) और गांधी लेआउट, जाफरनगर निवासी शारीक अमानत खोकर (28) है. संदेश मून के खिलाफ पहले भी सक्करदरा और राणा प्रतापनगर थाने में एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं.

क्राइम ब्रांच के मादक पदार्थ विरोधी दस्ते को पुख्ता सूचना मिली थी कि बंगला नंबर 7/12 के बंद गेट के सामने सर्विस रोड, छावनी में सफेद रंग की कार के पास दो लोग नशीला पदार्थ बेचने के लिए खड़े हैं. पुलिस ने वहां दबिश देकर सफेद रंग की किया सोनेट कार क्र. एमएच-31 एफएक्स-7719 के पास संदिग्ध रूप से खड़े उपरोक्त दोनों आरोपी युवकों को घेरकर दबोच लिया. तलाशी में उनकी कार से जिपलॉक पाउच में रखी 53.700 ग्राम एमडी पाउडर बरामद हुई.

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि ये माल उन्होंने अपने फरार साथी भायखला, वेस्ट मुंबई निवासी वारिस अंसारी की मदद से बिक्री के लिए मंगाया था. पुलिस ने धरे गए दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें सदर पुलिस के हवाले कर दिया है. जबकि, मुंबई के तीसरे फरार आरोपी वारिस अंसारी की तलाश जारी है. यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक भारत क्षीरसागर, पीएसआई नागेश पुन्नावाड, अरविंद गेडेकर, शैलेश दोबोले, रत्नाकर कोठे, शेषराव रेवतकर, धनपत मंझरेटे व धनराज ने की.

डेयरी में सेंध लगाने वाले 3 चोर गिरफ्तार

नागपुर : अंबाझरी थाना क्षेत्र स्थित मदर डेयरी शॉप का ताला तोड़कर नगदी व सामान चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को पुलिस ने दबोच लिया है. उनके पास से कुल 1 लाख 27 हजार 264 रुपये का माल बरामद करते हुए चोरी के दो मामलों का पर्दाफाश भी हुआ है.

गृहलक्ष्मी सोसायटी, सेमिनरी हिल्स निवासी जितेंद्र चौबे (62) की रामनगर स्थित एनएमसी इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास की मदर डेयरी की दुकान है. 21 अगस्त की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर नगद 15 हजार रुपए तथा दूध, दही, मिल्कशेक और आइसक्रीम के पैकेट सहित कुल 25 हजार रुपये का माल चुरा लिया था. इसकी शिकायत पर दर्ज मामले की जांच के दौरान अंबाझरी पुलिस को पता चला कि संदिग्ध आरोपी गोकुलपेठ मार्केट में सार्वजनिक शौचालय के पास मौजूद हैं. पुलिस ने भागने की फिराक में खड़े तीनों युवकों को घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया.

इनमें तेलंगखेड़ी निवासी विशाल उर्फ बब्बू चचाणे (29), पीयूष उर्फ पेढा बघेल (20) और राजीव खदान, अंबाझरी निवासी अंकुश उर्फ मिट्ठू मरसकोल्हे (25) शामिल हैं. कड़ाई से पूछताछ में उन्होंने डेयरी में चोरी करने का जुर्म कबूल कर लिया. तलाशी में उनके कब्जे से 12,264 रुपए नगद, एक मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा क्र. एमएच-31 ईडी-8023 तथा अंबाझरी क्षेत्र से ही चुराई गई एक काले रंग की ड्रीम युगा बाइक क्र. एमएच-31 एफडी-8271 जब्त की गई. इस कार्रवाई से पुलिस ने क्षेत्र में हुई दो चोरियों की गुत्थी सुलझाने में सफलता हासिल की है. ये कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनोद गोडबोले, उपनिरीक्षक नंदकिशोर पदकंडे, हवलदार कमलेश ननीर और अमलदार अमित तिवारी, सैयद हबीब व प्रणीत गदड़े ने की.

वर्धा और भंडारा में चेन स्नेचिंग करनेवाला चंद्रपुर से गिरफ्तार

वर्धा : वर्धा, भंडारा में चेन स्नेचिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद्रपुर में धरदबोचा. फिलहाल आरोपी हिंगणघाट पुलिस के कब्जे में है. उससे माल जब्त किया गया है. हिंगणघाट के नेहरू वार्ड निवासी मनोज सिंघवी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 74 वर्षीय मां इंदुमती सिंघवी सुबह 6.30 बजे मॉर्निंग वॉक कर रही थीं. उसी दौरान अज्ञात व्यक्ति बाइक लेकर पीछे से आया और उनके गले से 17 ग्राम वजन की करीब 68 हजार रुपए कीमत की सोने की चेन छीनकर भाग गया. शिकायत पर हिंगणघाट में मामला दर्ज किया गया था. जिसके बाद एसडीपीओ सुशीलकुमार नायक और थानेदार अनिल राऊत के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने शहर व आसपास के गांवों और शहर से गुजरने वाले सभी हाईवे के सीसीटीवी फुटेज की जांच की.

84 प्रतिशत पुनरीक्षण पूरा हुआ

9 लाख 59 हजार 111 मतदाताओं के हस्ताक्षर युक्त गणना प्रपत्र प्राप्त

वर्धा : वर्धा जिले में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है. इसके तहत जिले के आर्वी, देवली, हिंगणघाट और वर्धा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रस्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने निर्धारित अंतिम तिथि 17 अगस्त तक घर-घर जाकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरवाकर उन पर हस्ताक्षर लिए. जिले में अब तक 84.34 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है. वहीं अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अन्यत्र पंजीकृत/दोहरी प्रविष्टि वाले तथा मृत मतदाताओं सहित कुल 1 लाख 78 हजार 131 मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं. जिले में कुल 11 लाख 37 हजार 242 मतदाता हैं. इनमें से 9 लाख 59 हजार 111 मतदाताओं के हस्ताक्षर युक्त गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं.

आर्वी क्षेत्र के 310 मतदान केंद्रों में कुल 2 लाख 64 हजार 857 मतदाता हैं, जिनमें से 2 लाख 27 हजार 576 गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं. देवली विधानसभा क्षेत्र के 335 मतदान केंद्रों में 2 लाख 72 हजार 61 मतदाताओं में से 2 लाख 26 हजार 433 गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं. हिंगणघाट विधानसभा क्षेत्र के 351 मतदान केंद्रों में 3 लाख 404 मतदाताओं में से 2 लाख 52 हजार 534 गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं. वहीं वर्धा विधानसभा क्षेत्र के 346 मतदान केंद्रों में 2 लाख 99 हजार 920 मतदाताओं में से 2 लाख 52 हजार 568 गणना प्रपत्र भरवाकर हस्ताक्षर सहित जमा किए गए हैं.

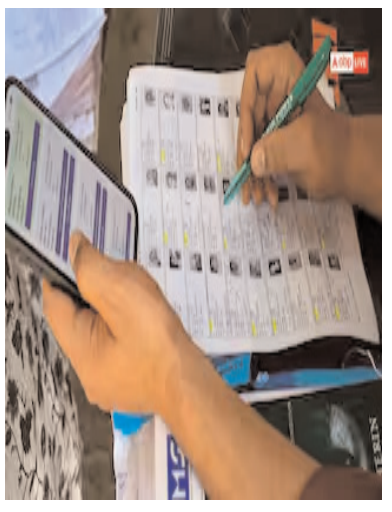

मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन के बाद जिले में 1 लाख 78 हजार 131 मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा नहीं होने की श्रेणी में दर्ज किए गए हैं. इनमें आर्वी में अनुपस्थित 3,522, स्थायी रूप से स्थानांतरित 20,668, अन्यत्र पंजीकृत, दोहरी प्रविष्टि वाले 4,169, मृत 8,874 और अन्य 48, कुल 37,281 मतदाता शामिल हैं.

देवली में अनुपस्थित 1,304, स्थायी रूप से स्थानांतरित 22,809, अन्यत्र पंजीकृत, दोहरी प्रविष्टि वाले 9,018, मृत 12,425 और अन्य 72 कुल 45,628 मतदाता पाए गए. हिंगणघाट में अनुपस्थित 4,110, स्थायी रूप से स्थानांतरित 24,907, अन्यत्र पंजीकृत, दोहरी प्रविष्टि वाले 4,388, मृत 14,406 और अन्य 59, कुल 47,870 मतदाता पाए गए. वर्धा में अनुपस्थित 1,367, स्थायी रूप से स्थानांतरित 26,735, अन्यत्र पंजीकृत, दोहरी प्रविष्टि वाले 7,198, मृत 11,972 और अन्य 80, कुल 47,352 मतदाता पाए गए. जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के 11 लाख 37 हजार मतदाताओं को शत प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं. जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा नहीं हुए हैं, उनके नामों की सूचियां संबंधित मतदान केंद्रस्तरीय अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नियुक्त मतदान केंद्रस्तरीय प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गई हैं.

लखमापुर बोरी में समय पर नहीं पहुंचा दीना नहर का पानी

चामोर्शी : दीना बांध से पानी छोड़े कई दिन बीतने के बावजूद नहर के अंतिम छोर पर स्थित लखमापुर बोरी के किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच सका. धान रोपाई के महत्वपूर्ण समय में पानी न मिलने से फसलें सूखने लगी थी. पर, बारिश हो जाने से किसानों को कुछ राहत मिली. लखमापुर बोरी के कुछ खेतों तक दीना नहर का पानी पहुंचा था, लेकिन काफी समय तक अंतिम हिस्से के खेतों तक पानी न पहुंचने के कारण कई किसानों की धान रोपाई अटक गई थी. जिन किसानों ने रोपाई कर ली थी, उनके खेतों को समय पर पानी न मिलने से धान के पौधे सूखने लगे थे. किसानों के अनुसार, कन्नमवार जलाशय से पानी छोड़ने से पहले नहर का निरीक्षण करने पर बोरी-कलमगांव माइनर में बड़ा सुरंगनुमा हिस्सा मिला था. इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने के बाद मिट्टी से अस्थायी मरम्मत की गई थी. पर पानी छोड़ने के बाद रिसाव होने पर पुनः मरम्मत करनी पड़ी, जिससे पानी का वितरण प्रभावित हुआ. ऐसे में किसानों द्वारा सवाल किया जा रहा है कि बांध में पर्याप्त पानी होने पर भी खेतों में समय पर पानी क्यों नहीं पहुंचता. धान की रोपाई के बाद फसल को समय पर पानी नहीं मिलने से किसान बारिश का इंतजार करने को मजबूर हो गए थे. फसल की सिंचाई के लिए नहर की मरम्मत और जल वितरण की योजना पहले से तैयार करने की आवश्यकता है.

भद्रावती तहसील के चार गांवों पर मंडराया पुनर्वास का खतरा

टाकली-जेना खुली खदान के लिए 749.95 हेक्टेयर का सर्वेक्षण

भद्रावती : तहसील के टाकली-जेना ओपन कास्ट माइन प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार के कोयला मंत्रालय ने महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है. 1 जुलाई 2026 को राजपत्र के माध्यम से जारी अधिसूचना में कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1) के तहत संबंधित क्षेत्र में कोयले के सर्वेक्षण का निर्देश दिया गया है.

अधिसूचना के अनुसार टाकली-जेना ओपन कास्ट माइन, माजरी क्षेत्र, जिला चंद्रपुर के लिए भद्रावती तहसील के 11 गांवों की कुल 749.95 हेक्टेयर (लगभग 1,853.126 एकड़) भूमि अधिसूचित की गई है. इसमें 709.35 हेक्टेयर कृषि भूमि, 40.07 हेक्टेयर सरकारी भूमि और 0.53 हेक्टेयर वन क्षेत्र शामिल है.

अधिसूचित गांवों में नंदोरी बु., खंडाला रिठ, घोटाला रिठ, अष्टी रिठ, टाकली, हरडोला, बेलोरा, किल्होनी, सोमनाला, वरांज मोकासा और कडोली का समावेश है. इनमें टाकली में 174.74 हेक्टेयर, किल्होनी में 170.96 हेक्टेयर, खंडाला रिठ में 134.54 हेक्टेयर और बेलोरा में 115.27 हेक्टेयर भूमि अधिसूचित की गई है.

राजपत्र में संबंधित भूमि में हित रखने वाले व्यक्तियों को कानून के अनुसार मुआवजे का दावा करने का अधिकार स्पष्ट किया गया है. सर्वेक्षण की प्रक्रिया के कारण हुए अथवा संभावित नुकसान के लिए कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम की धारा 6 के तहत मुआवजे की मांग की जा सकती है. संबंधित लाइसेंस या खनन पट्टे निष्प्रभावी होने की स्थिति में भी कानून में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मुआवजे का दावा किया जा सकेगा.

संबंधित भूमि के नक्शे, आराखड़े, दस्तावेज तथा किए गए खर्च का विवरण राजपत्र प्रकाशित होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के माजरी क्षेत्र कार्यालय अथवा नागपुर स्थित भूमि एवं राजस्व विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है.

...तो न्याय व्यवस्था में बदलाव संभव : ओक

पूर्व न्यायाधीश ने सुधारों को लेकर किया मार्गदर्शन

संवाददाता । नागपुर

सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अभय ओक ने कहा कि न्यायपालिका को लेकर कई तरह के भ्रम पैदा हुए हैं. किसी भी संस्था को दोषमुक्त नहीं माना जा सकता. न्याय व्यवस्था का शास्त्रोक्त पद्धति से अध्ययन कर उसके निष्कर्ष राज्यकर्ताओं तक पहुंचाए जाने चाहिए. तभी न्याय व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव संभव होंगे. डॉ. दंदे फाउंडेशन की ओर से शनिवार को वनामती सभागृह में 'क्या न्यायपालिका पर कोई आलोचना नहीं हो सकती है?' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया था. इस अवसर पर न्यायाधीश ओक ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम में डॉ. दंदे फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. पिनाक दंदे तथा शैलेश पांडे उपस्थित थे.

'तारीख पर तारीख' की समस्या वास्तविक

उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 के बाद न्यायपालिका में विश्वास का संकट पैदा हो गया. इसका मुख्य कारण तालुका और जिला न्यायालयों की पूर्ण उपेक्षा है, जो न्यायिक प्रणाली की रीढ़ हैं. आम आदमी बड़ी उम्मीद के साथ अदालत जाता है. अगर हम कल के आंकड़ों पर नजर डालें तो 5 करोड़ मामले लंबित हैं. इस गड़बड़ी का कारण न्यायाधीशों और जनसंख्या का अनुपात है. जहां 10 लाख जनसंख्या पर 50 न्यायाधीशों का अनुपात अपेक्षित है वहीं वर्तमान अनुपात 22 है. 'हर सुनवाई के लिए तारीख' का मजाक सच साबित होता है लेकिन इसका समाधान न्यायपालिका के हाथ नहीं, बल्कि सरकार की जिम्मेदारी है.

न्यायाधीश ओक ने कहा कि किसी संस्था को पवित्र मानने से अंधभक्ति शुरू होती है और व्यक्तिपूजा हमेशा पतन की ओर ले जाती है. न्याय व्यवस्था को भय और पक्षपात से मुक्त होकर कठोरता से काम करना चाहिए. हालांकि न्यायाधीशों द्वारा उस आलोचना का जवाब नहीं देना एक स्थापति परंपरा है. संचालन चैतन्य देशपांडे ने किया. इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनिल देशमुख, विलास मुत्तेमवार, अभिजीत वंजारी समेत अन्य उपस्थित थे.

नीति बनाने की जरूरत

उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए न्यायाधीश ओक ने कहा कि अच्छे वकीलों का न्यायाधीश बनने से इनकार करना केंद्र सरकार की विफलता है. न्यायाधीशों को बहुत कम छुट्टियां मिलती हैं और इसका उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है. इस विषय पर गंभीरता से विचार होना आवश्यक है. व्यावसायिक मामलों को कितनी प्राथमिकता दी जाए, इस पर भी नीति बनाने की जरूरत है.

शिशु-मां की मृत्यु मामले की जांच करें

लापरवाही का आरोप, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें

संवाददाता । गड़चिरोली

प्रसूति के लिए भर्ती कराई गई 27 वर्षीय महिला और उसके नवजात बच्चे की उपचार के दौरान मौत होने का मामला सामने आया है. परिजनों ने उपचार में कथित लापरवाही और करीब पांच घंटे की देरी का गंभीर आरोप लगाया है. इस मामले में संबंधित डाक्टर और नर्सिंग कर्मचारियों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग पूर्व पंस सदस्य अमिता मडावी और मृतक महिला के परिजनों की है. मृतक महिला का नाम चामोर्शी तहसील के जामगिरी निवासी जिजा हंसराज सातर (27) है. आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मृतक महिला का पति हंसराज सातर, सोनी कंगाले, जीजाबाई लोनबले, शरद

कस्तुरे, संपत सातर समेत परिजन उपस्थित थे. परिजनों के अनुसार, जिजा सातर को प्रसूति के लिए रविवार तड़के करीब पांच बजे चामोर्शी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया था. सुबह करीब 10.30 बजे तक संबंधित डाक्टर अस्पताल में उपलब्ध नहीं थे. इस दौरान नर्सिंग कर्मचारियों ने महिला की हालत ठीक होने की बात कही. बाद में स्थिति गंभीर बताते हुए उसे गडचिरोली रेफर करने की सलाह दी गई. इसके बाद सुबह करीब 11.45 बजे महिला को गडचिरोली स्थित महिला एवं बाल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जांच के बाद परिजनों को बताया गया कि, गर्भ में ही बच्चे की मौत हो चुकी है. हालांकि, उस समय महिला की हालत स्थिर होने की जानकारी दी गई थी, ऐसा परिजनों का दावा है. परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि, अस्पताल की एक महिला कर्मचारी ने उन्हें कथित तौर पर बेहद असंवेदनशील तरीके से बच्चे की मौत की जानकारी दी. उनके अनुसार, कर्मचारी ने कहा कि, आपका बच्चा चला गया, आप ठीक रहें. इस कथित व्यवहार से परिजन आहत हुए.

संबंधित डाक्टरों पर कार्रवाई की मांग नवजात बच्चे और महिला की मौत के मामले में डा. किलनाके के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई करने तथा डा. देवरे की भूमिका की गहन जांच करने की मांग की गई है. परिजनों ने संबंधित चिकित्सकों और कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है. अमिता मडावी ने कहा कि, पहली बार मां बनने वाली महिला और उसके नवजात बच्चे की इस तरह मौत होना बेहद दुखद है. मृतक के परिवार को न्याय दिलाने के साथ ही आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की. इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. हालांकि, उपचार में वास्तव में चिकित्सकीय लापरवाही हुई थी या नहीं, उपचार में देरी के कारण क्या थे और महिला को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा क्यों नहीं मिल सकी, इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

रोजगार निर्माण करने वाले उपक्रम शुरू करें

संवाददाता । गड़चिरोली

आकांक्षी जिला से विकसित गड़चिरोली विजन 2047 की संकल्पना के तहत 16 व 17 अगस्त को गड़चिरोली में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न कारणों से शामिल न हो सके सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को अपने विचार एवं सुझाव रखने का अवसर देने के लिए हाल ही में सर्किट हाउस में विशेष बैठक आयोजित की गई.

विकसित गड़?चिरोली विजन 2047 के मुख्य प्रवर्तक एवं पूर्व विधायक डा. देवराव होली की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के सर्वांगीण एवं दीर्घकालीन विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, जल-जंगल-जमीन का संरक्षण करने तथा पर्यटन क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया गया. प्रतिनिधियों ने कहा कि, गड़चिरोली के विकास की योजना बनाते समय स्थानीय संसाधनों, युवाओं की क्षमता, आदिवासी समाज की परंपराओं तथा प्राकृतिक संपदा को केंद्र में रखना आवश्यक है. महिलाओं को स्वयंरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराने की आवश्यकता भी व्यक्त की गई.

स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिले में उद्योगों को प्रोत्साहन देने, कौशल विकास केंद्रों को मजबूत करने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार निर्माण करने वाले उपक्रम शुरू करने के सुझाव दिए गए. साथ ही जलस्रोतों के संरक्षण, जंगलों की सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के माध्यम से विकास का मॉडल तैयार करने पर भी चर्चा हुई.

नहर के अंतिम छोर तक नहीं पहुंचा पानी

बारिश ने दी राहत, लेकिन सिंचाई विभाग को ध्यान देने की जरूरत

संवाददाता । गड़चिरोली

दीना जलाशय से पानी छोड़े जाने के कई दिन बीत जाने के बावजूद नहर के अंतिम छोर पर स्थित लखमापुर बोरी के किसानों के खेतों तक समय पर पानी नहीं पहुंच सका. आखिरकार बारिश होने से प्यासी फसलों को कुछ राहत मिली है. लेकिन इस ओर सिंचाई विभाग को ध्यान देने की जरूरत है, ऐसी मांग किसानों द्वारा की जा रही है.

लखमापुर बोरी के कुछ किसानों को दिना जलाशय के नहर से पानी मिला, लेकिन वह भी अपेक्षा से काफी देर से पहुंचा. वहीं, नहर के बिल्कुल अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक पानी नहीं पहुंचने से धान की रोपाई प्रभावित हुई थी. जिन किसानों ने किसी तरह रोपाई कर ली थी, उनके खेतों में समय पर पानी नहीं मिलने से धान की फसल सूखने लगी थी. इससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी. किसानों के अनुसार, कन्नमवार जलाशय से पानी छोड़े जाने से पहले नहर का निरीक्षण किया गया था.

इस दौरान बोरी-कलमगांव माइनर में एक बड़ा सुरंगनुमा हिस्सा होने की जानकारी सामने आई थी. इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को भी दी गई थी. हालांकि, सुरंग की अस्थायी रूप से मिट्टी डालकर मरम्मत की गई. पानी छोड़े जाने के बाद रिसाव होने पर दोबारा मरम्मत का काम करना पड़ा. इससे पानी के वितरण पर भी असर पड़ा. धान की रोपाई के महत्वपूर्ण समय में नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में हुई देरी से किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ी. किसानों का सवाल है कि जब बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है, तो खेतों तक समय पर पानी क्यों नहीं पहुंच रहा है? अंततः बारिश होने से नहर के अंतिम छोर के किसानों को कुछ राहत मिली. किसानों का कहना है कि यदि सिंचाई विभाग ने समय रहते नहर का निरीक्षण, आवश्यक मरम्मत और पानी वितरण की उचित योजना बनाई होती, तो रोपाई के मौसम में उन्हें पानी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता. किसानों ने मांग की है कि नहर के अंतिम छोर तक हर वर्ष पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए सिंचाई विभाग स्थायी उपाय करे और पानी वितरण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करे.

जंगली हाथियों ने पोल्ट्री फार्म को उजाड़ा

11 किसानों की खेती की धान फसल को पैरों तले रौंद दिया

संवाददाता । गड़चिरोली

आरमोरी तहसील में जोगीसाखरा परिसर में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है. इसी बीच शनिवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने इसी परिसर के शंकरपुर गांव क्षेत्र में प्रवेश कर सुशिक्षित बेरोजगार युवक द्वारा तैयार किये गये पोल्ट्री फार्म को पूरी तरह उजाड़ दिया है. इसके अलावा खेत परिसर में घुसकर करीब 11 किसानों के धान फसल को अपने पैरो तले रौंद दिया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंजेवाडा गांव के जंगल से सटे खेत में स्वयरोजगार के उद्देश्य से उत्तम गोलदार नामक युवक ने पोल्ट्री फार्म निर्माण किया था. लेकिन रात के समय जंगली हाथियों ने पोल्ट्री फार्म में घुसकर शेड, उपकरण समेत अन्य सामग्री की तोड़फोड़ कर सब कुछ नष्ट कर दिया. विशेषतः वर्ष 2021 में भी जंगली हाथियों के झुंड ने इसी पोल्टी फार्म को उध्दवस्त किया था. जिससे संबंधित युवक को फिर एक बार वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है. इधर घटना की जानकारी मिलते ही वनाधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया. वनविभाग पंचनामा की प्रक्रिया पूर्ण कर नुकसानग्रस्त युवक और किसानों को तत्काल मुआवजा दे, ऐसी मांग परिसर के नागरिकों ने की है.

वृद्धों को जीवनावश्यक सामग्री का वितरण

गड़चिरोली : गड़चिरोली शहर के चामोर्शी मार्ग पर स्थित मातोश्री वृध्दाश्रम में अनेक वृद्ध नागरिक जीवनयापन कर रहे हैं. ऐसे लोगों को मदद करने के उद्देश्य से कांग्रेस के अनुसूचित जाति सेल के जिलाध्यक्ष रजनीकांत मोटघरे ने वृद्ध नागरिकों को जीवनाश्यक सामग्री का वितरण किया है. उनके इस उपक्रम की परिसर में सराहना की जा रही है. वहीं इस सामाजिक उपक्रम से मोटघरे द्वारा इन्सानित का परिचय देने की बात कही जा रही है.

आज के दौर में अनेक लोग मीडिया में छाने के लिये विभिन्न उपक्रम चलाकर दिखावा करते हैं, लेकिन कोई भी गरीब और जरूरतमंदों की सहायता करना उचित नहीं समझते. लेकिन अनुसूचित जाति सेल के जिलाध्यक्ष रजनीकांत मोटघरे ने इससे परे जाकर स्थानीय वृद्धाश्रम में रहने वाले वृध्द महिला और पुरूषों को मदद करने की मंशा से उन्हें जीवनाश्यक सामग्री का वितरण करने का निर्णय लिया और वृध्दाश्रम में पहुंचकर वहां

के वृध्द नागरिकों को जीवनाश्यक सामग्री का वितरण किया है. जहां वृध्द नागरिकों ने मोटघरे का आभार माना है. इस अवसर पर पार्षद रमेश चौधरी, पार्षद नंदू कायरकर, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया सेल के उपाध्यक्ष नंदू वाईलकर, परिवहन सेल के जिलाध्यक्ष रुपेश टिकले, युकां जिलाध्यक्ष नितेश राठोड, प्रभाकर वासेकर, हरबाजी मोरे, शंकरराव सालोटकर, महादेव भोयर, शिक्षक सेल के जिलाध्यक्ष दत्तात्रय खरवडे समेत आनंद पारधी, हेमंत मोहितकर, मोहन वरगंटीवार, पुष्पराज उंदीरवाडे, दिनेश सिडाम, पुरुषोत्तम बावणे, जगदीश वरगंटीवार, पार्षद मेघा वरगंटीवार, बांबोले, पार्षद मनीषा खेवले, महिला तहसील अध्यक्ष कल्पना नंदेश्वर, पुष्पलता कुंमरे, महासचिव माधुरी मडावी समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

अधूरी नाली निर्माण के चलते घरों में घुसा पानी

संवाददाता / गड़चिरोली

जिले का मध्यवर्ती स्थान होने वाले आष्टी से गुजरने वाले राष्ट्रीय महामार्ग 353 'सी' का कार्य विगत 3 वर्षों से धीमी गति से शुरू है. आष्टी से चंद्रपुर मार्ग पर सीमेंट सड़क व नाली का निर्माण पूर्ण हुआ है. लेकिन चामोर्शी व आलापल्ली मार्ग पर अब तक नाली का निर्माणकार्य नहीं किया गया है. जिससे 22 अगस्त से होने वाली बारिश के चलते सड़क के पानी का उचित प्रबंधन नहीं होने से सड़क किनारे के अनेक घर व दूकानों में बारिश का पानी घुसने से जलमय हुए है.

आष्टी में नागरिकों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना

आलापल्ली व चामोर्शी मार्ग पर नालियों का निर्माण नहीं किए जाने से बारिश का पानी सीधे नागरिकों के घर तथा दूकानों में घुस गया. स्थिति की गंभीरता को पहचानते हुए सामाजिक कार्यकर्ता संजय पंदिलवार तत्काल आगे आकर स्वयं के मालिकाना जेसीबी की सहायता से अस्थायी स्वरूप में नालियों की खुदाई कर जमा हुए पानी को राह खुली की. अपूर्ण कार्यों के चलते प्रतिवर्ष बरसात के दिनों में नागरिकों को व्यापक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जिससे राष्ट्रीय महामार्ग विभाग के अधिकारी तत्काल इस समस्या की ओर गंभीरता से ध्यान देकर तत्काल नाली का निर्माणकार्य शुरू करें, ऐसी मांग पूर्व जिप सदस्य रूपाली पंदिलवार, धर्मप्रकाश कुकुडकर समेत स्थानीय नागरिकां ने की है.

पर्लकोटा नदी उफनी, गांवों का संपर्क टूटा

आलापल्ली और भामरागढ़ मार्ग की आवाजाही बंद, जनजीवन प्रभावित

संवाददाता / गड़चिरोली

भामरागढ़ तहसील में बारिश का जोर लगातार जारी है. सोमवार को सुबह करीब 11 बजे पर्लकोटा नदी का पानी एक बार फिर मुख्य पुल पर चढ़ गया. कम ऊंचाई वाले पुराने पुल पर पानी आने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है. इससे भामरागढ़ का अन्य क्षेत्रों से संपर्क एक बार फिर टूट गया है. विशेष बात यह है कि इस वर्ष बारिश के मौसम में पर्लकोटा पुल पर दूसरी बार बाढ़ का पानी पहुंचा है. महज एक महीने के भीतर दूसरी बार बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने से स्थानीय नागरिक, व्यापारी और यात्रियों में चिंता का माहौल है.

गत जुलाई माह में निर्माण हुई भीषण बाढ़ स्थिति के कारण भामरागढ़ शहर समेत पूरे तहसील को प्रभावित किया था. इस दौरान बड़े पैमाने पर नुकसान

हुआ था. नागरिक अभी पिछली बाढ़ से पूरी तरह उबर भी नहीं पाए थे कि पर्लकोटा नदी का जलस्तर दोबारा तेजी से बढ़ने लगा है. पर्लकोटा नदी पर बाढ़ की स्थिति निर्माण होने के कारण भामरागढ़ समेत तहसील के करीब 100 गांवों का संपर्क टूट गया है. जिससे इस तहसील का जनजीवन प्रभावित होने की बात कही जा रही है.

अधूरे नए पुल से बढ़ी परेशानी पर्लकोटा नदी पर नए पुल का निर्माण कार्य अभी अधूरा है. पुराने कम ऊंचाई वाले पुल पर बाढ़ का पानी चढ़ते ही आवागमन बंद हो जाता है. नए पुल का निर्माण समय पर पूरा नहीं होने के कारण इस वर्ष भी बाढ़ के दौरान भामरागड की आवाजाही प्रभावित हो रही है. बार-बार पुल बंद होने से ग्रामीणों, व्यापारियों, मरीजों, विद्यार्थियों और अन्य नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय नागरिकों में अब यह सवाल उठ रहा है कि, नए पुल का निर्माण आखिर कब तक पूरा होगा? नागरिकों की मांग है कि, नए पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि हर साल बारिश और बाढ़ के दौरान भामरागड का संपर्क बाधित न हो और नागरिकों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके.

राकांपा (एसपी गुट) के प्रदेशाध्यक्ष शशीकांत शिंदे ने पत्रकार परिषद में लगाया आरोप

संवाददाता / हिंगणघाट

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रदेश अध्यक्ष शशीकांत शिंदे ने पत्रकार परिषद में आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति सरकार अधिकांश विपक्षी दलों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है. विरोधी दलों की ताकत कम करने की कोशिश लगातार जारी है.

स्मार्ट मीटर का विरोध : स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर शिंदे ने कहा कि राज्य के अन्य जिलों में भी इसके विरोध में जोरदार आंदोलन चल रहे हैं. जनता के मन में स्मार्ट मीटर को लेकर अनेक शंकाएं हैं. सरकार को पहले इन शंकाओं का समाधान करना चाहिए और नागरिकों को विश्वास में लेने के बाद ही कोई निर्णय लागू करना चाहिए, लेकिन शंकाओं का समाधान किए बिना ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है. सरकार ने समय रहते इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया तो जनता का आक्रोश और बढ़ेगा तथा आंदोलन को और तीव्र किया जाएगा, ऐसी चेतावनी शिंदे ने दी. पीएम से मुलाकात का अलग अर्थ न निकालें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री से मुलाकात के सवाल पर शशीकांत शिंदे ने कहा कि इन मुलाकातों का कोई अलग राजनीतिक अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए. विकास कार्य अथवा व्यक्तिगत कार्यों के सिलसिले में नेताओं से मुलाकात होना सामान्य बात है. इसलिए ऐसी मुलाकातों को किसी राजनीतिक समीकरण से जोड़ना उचित नहीं है.

पुराने विवाद में सशस्त्र हमला, 1 घायल

संवाददाता / वर्धा

शहर के हवालदारपुरा तथा आर्वी मार्ग स्थित शिवपार्वती सभागृह परिसर में सोमवार शाम पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर सशस्त्र हमला किए जाने की घटना से कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया. हमले में निलेश केवटे गंभीर रूप से घायल हुआ. उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, हमलावरों की टोली ने सबसे पहले हवालदारपुरा स्थित केवटे के घर को निशाना बनाया.

आरोप है कि हमलावरों ने निलेश केवटे के साथ हथियार से मारपीट की तथा घर में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया. इस घटना के बाद हमलावर आर्वी मार्ग स्थित शिवपार्वती सभागृह के समीप पहुंचे. वहां केवटे के घर पर हमला कर वाहनों में तोड़फोड़ की गई तथा परिसर में जमकर हंगामा मचाया अचानक हुए इस हमले से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई. घटना की जानकारी मिलते ही शहर पुलिस मौके पर पहुंची. गंभीर रूप से घायल निलेश केवटे को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. घटना के संबंध में शहर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है. हमलावारो ने करीब चार से पांच गाडिया फोडी. पुलिस ने हमले में शामिल आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

घटना के बाद किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने आर्वी नाका सहित शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की. पुलिस की ओर से आरोपियों के संभावित ठिकानों पर भी तलाश अभियान चलाया जा रहा है. पुराने विवाद को लेकर हुए इस सशस्त्र हमले के कारण शहर में कुछ समय तक तनाव की स्थिति बनी रही. पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और हमले के पीछे के वास्तविक कारण तथा इसमें शामिल सभी आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है.

जिला अस्पताल की फायर यंत्रणा निष्क्रिय !

दमकल विभाग के निर्देशों की ओर अनदेखी

संवाददाता / वर्धा

अमरावती जिला महिला अस्पताल में गत मध्यरात्रि भीषण आगजनी की घटना सामने आई. इसके साथ ही वर्धा जिला अस्पताल भी एक बार फिर चर्चा में आ गया है. पिछले छह महीनों में वर्धा के सिविल अस्पताल में भी दो बार आग लग चुकी है. इसमें भारी नुकसान हुआ था. इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने उपाय योजना को लेकर किसी प्रकार की सुध नहीं ली है. सूत्रों के अनुसार, जिला अस्पताल में लगाई गई फायर यंत्रणा आज भी निष्क्रय होने की गंभीर बात सामने आई है.

नप के दमकल विभाग द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न होने से अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न उपस्थित हो रहे हैं. यह एक प्रकार से अस्पताल में उपचारार्थ दाखिल मरीजों तथा उनके परिजनों के साथ खिलवाड़ है. भविष्य में किसी अनहोनी का डर बना हुआ है. इस ओर जिलाधिकारी ने स्वयं ध्यान देने की मांग अब जोर पकड रही है. अन्यथा होगी कार्रवाई राष्ट्रीय भवन संहिता 2016 तथा प्रतिबंधक व जीवनसंरक्षक कानून 2006 के नियमानुसार जिले की सभी सरकारी, व्यावसायिक व शैक्षणिक इमारतों में फायर यंत्रणा लगी है या नहीं, इसकी जांच की जाती है. जिला अस्पताल की इमारत में पहले भी दो बार आगजनी की घटना सामने आ चुकी है. इसके बाद समय-समय पर अस्पताल प्रशासन से पत्राचार कर सूचना दी गई. परंतु अब तक यंत्रणा सुचारु तरीके से कार्यान्वित नहीं की गई. खामियों के कारण अस्पताल की यंत्रणा को एनओसी नहीं दी गई. भविष्य में कोई अनहोनी होती है तो अस्पताल प्रशासन जिम्मेदार रहेगा. निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो इमारत को सील कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ऐसा वर्धा नप के दमकल विभाग प्रमुख अशोक लोखंडे व दमकल अधिकारी पद्मनाभ पुल्लरवार ने बताया.

फायर प्रिंकलर लाइन ब्रेक

उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल की इमारत क्रमांक 2 में क्ष-किरण विभाग है. यहां कृष्णा डायग्नोस्टिक केंद्र शुरू किया गया है. परंतु केंद्र की फायर संप्रंकलर लाइन निर्माण कार्य के दौरान तोड़ दी गई. पाइप तोड़ते समय नप दमकल विभाग व अस्पताल प्रशासन को भी अंधेरे में रखा गया. तब से उक्त फायर लाइन के सप्रिंकलर पाइप से मोटर पंप नहीं जोड़ा गया है. गत ढाई वर्षों से यह काम अधूरा है. इस संदर्भ में बार-बार कृष्णा डायग्नोस्टिक तथा जिला अस्पताल प्रशासन को पत्र जारी किए गए, परंतु अब तक इस गंभीर समस्या का किसी प्रकार का स्थायी हल नहीं निकाला गया है. अस्पताल की इमारतों में लगी फायर मशीनें एक प्रकार से शो-पीस बनी हुई हैं. अमरावती की घटना के बाद अस्पताल प्रशासन हड़बड़ाकर नींद से जागा. सोमवार को जिला शल्य चिकित्सक ने स्वयं इमारत की फायर यंत्रणा का निरीक्षण किया.

आजादी के 80 साल; फिर भी 41 गांवों को कब मिलेगा श्मशानभूमि का छत?

देश विकास की राह पर, लेकिन अंतिम संस्कार के लिए बुनियादी सुविधा तक नहीं

संवाददाता / तिरोड़ा

देश ने स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे कर लिए हैं। गांव-गांव तक विकास योजनाएं पहुंचने के दावे किए जा रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं, डिजिटल युग और करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं के बीच तिरोड़ा तहसील के 41 गांवों में आज भी श्मशानभूमि में अंतिम संस्कार के लिए स्थायी शेड उपलब्ध नहीं है।

आजादी के आठ दशक बाद भी यदि नागरिकों के अंतिम सफर को छत नसीब नहीं हो रही है, तो विकास के दावों को किस नजरिए से देखा जाए? यह सवाल अब नागरिकों द्वारा उठाया जा रहा है। तिरोड़ा तहसील में कुल 95 ग्राम पंचायतें हैं। इनमें से 41 गांवों की श्मशानभूमियों में स्थायी शेड नहीं होने की जानकारी सामने आई है।

बारिश के मौसम में बारिश के बीच और गर्मी में तेज धूप में अंतिम संस्कार करने की स्थिति नागरिकों के सामने आती है। दुख की घड़ी में मृतक के परिजनों और अंतिम संस्कार में शामिल लोगों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ता है। जिस देश ने चंद्रमा तक पहुंचने की क्षमता हासिल कर ली, उसी देश के गांवों में अंतिम संस्कार के लिए साधारण छत तक उपलब्ध न होना क्या विडंबना नहीं है? यह सवाल नागरिकों के मन में है।

80 वर्षों में आखिर हासिल क्या हुआ

आजादी के बाद ग्रामीण विकास के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं। ग्राम पंचायत से लेकर पंचायत समिति, जिला परिषद और राज्य शासन तक जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की पूरी व्यवस्था कार्यरत है। हर वर्ष विभिन्न विकास कार्यों के लिए 23 करोड़ों रुपये का प्रावधान किया जाता है। ऐसे में 41 गांवों की श्मशानभूमियों के लिए स्थायी शेड उपलब्ध कराने की प्रभावी योजना आठ दशकों में क्यों नहीं बन सकी? इस सवाल का जवाब आखिर कौन देगा?

गांवों में सड़क, नाली, सभागृह, स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण के कार्यक्रम होते हैं। इन कार्यों की जानकारी देने वाले बोर्ड भी लगाए जाते हैं। लेकिन नागरिकों के अंतिम संस्कार से जुड़ी बुनियादी सुविधा आज भी उपलब्ध न होना प्रशासन की विकास योजना और प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

'निधि नहीं' के बहाने की आखिर कब तक ?

श्मशानभूमि में शेड निर्माण के लिए निधि उपलब्ध नहीं होने का कारण बताया जाता है। निधि की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन उपलब्ध सरकारी योजनाओं के माध्यम से राशि प्राप्त करने के लिए प्रयास और लगातार पैरवी करना जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि ग्राम पंचायत स्तर पर निधि पर्याप्त नहीं है, तो पंचायत समिति, जिला परिषद और शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजकर निधि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। फिर सवाल यह है कि वास्तव में निधि उपलब्ध नहीं है या इस मूलभूत समस्या के लिए अपेक्षित प्रयास और पैरवी ही नहीं की गई? आजादी के 80 वर्ष बाद भी यदि 41 गांवों की श्मशानभूमियां छत के इंतजार में हैं और जवाब केवल 'निधि नहीं' तक सीमित है, तो प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली तथा विकास की प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

जनप्रतिनिधियों के विकास एजेंडे में श्मशानभूमि कहां ?

तिरोड़ा तहसील में सात जिला परिषद सदस्यों के साथ पंचायत समिति सदस्य, सरपंच और ग्राम पंचायत सदस्यों की बड़ी जनप्रतिनिधि व्यवस्था कार्यरत है। नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए यह पूरी व्यवस्था मौजूद होने के बावजूद 41 गांवों का यह बुनियादी सवाल वर्षों से लंबित क्यों है? संबंधित जनप्रतिनिधियों ने अपने कार्यकाल में इस समस्या को लेकर कितने प्रस्ताव दिए? कितनी राशि की मांग की? प्रशासन के पास कितनी बार इसको गुल्स्गहूद किया गया और इनमें से कितने कार्य वास्तव में पूरे हुए? इसका जवाब अब नागरिकों के सामने आना चाहिए।

ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

संवाददाता / सड़क अर्जुनी

कोहमारा-नवेगांवबांध मार्ग पर रयतवाड़ी-परसोडी के पास रविवार, 23 अगस्त की रात करीब 9 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई. दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई.

रयतवाड़ी-परसोडी के पास की घटना

मृतक का नाम ब्राह्मणी-खड़की निवासी अमित विष्णुदास लांजेवार (25) बताया गया है. जानकारी के अनुसार, ट्रक क्र. सीजी 07 बीडी 3029 रयतवाड़ी परसोडी परिसर में खड़ा था. इसी दौरान कोहमारा की ओर से नवेगांवबांध की दिशा में जा रही मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एझेड 6280 ने पीछे से ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित लांजेवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दुर्घटना की सूचना मिलते ही नवेगांवबांध पुलिस थाने के पीएसआई आल्हाड, एपीआई अजित पाटिल, पीएसआई मेश्राम सहित पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे. 112 वाहन के चालक हवलदार रामटेके समेत पुलिस टीम ने घटनास्थल पर आवश्यक कार्रवाई की.

आस्था का संगम बना महादेव मंदिर

संवाददाता / आमगांव

शहर के मध्य महाकाली मंदिर परिसर में स्थित बाबा भोलेनाथ का मंदिर सावन के शुरू होते ही बोल बम के नारे से गूंज उठा है. इस उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है.

मंदिरों में गूंज रहे बोल बम के जयकारे, शिवभक्तों की उमड़ रही भारी भीड़

शहर परिसर के प्राचीन मंदिर में से एक महादेव महाड़ी शिवालय, शीतला माता मंदिर शिवालय, गायत्री माता मंदिर शिवालय, संतोषी माता मंदिर शिवालय, राम मंदिर शिवालय, शनि मंदिर शिवालय, जमींदार बाड़े के पास स्थित शिवालय सहित अनेक मंदिर में पूजा, अर्चना, अभिषेक आदि लगभग सभी शिवालयों में विभिन्न कार्यक्रम आरंभ हो गए. शिवालयों में अब ओम नमः शिवाय, बोल बम, बम बम भोले, श्री शिवाय नमस्तुभ्यम की गूंज सुनाई देने लगी है. श्रावणमास के उपलक्ष्य में कई मंदिरों को हार, फूल, पत्तियों से सजाया गया है. मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ भक्तिमय वातावरण निर्माण होने लगा है. शहर के मध्य में स्थित महाकाली देवस्थान की स्थापना 21 मार्च 2001 को महादेवराव शिवणकर व मंगला शिवणकर के हस्ते की गई. उसी प्रकार मृत्युंजय महादेव शिवलिंग की प्राणप्रतिष्ठा 14 फरवरी 2005 में की गई. जो गर्भगृह में स्थापना की गई. इस मंदिर में वर्ष में आनेवाली चैत्र नवरात्रि व अश्विन नवरात्रि में ज्योति कलश की स्थापना की जाती है तथा मंदिर परिसर में ही बने जल कुंड में ज्योत विसर्जन की जाती है. मंदिर परिसर के बीचों बीच एक सुंदर सरोवर का भी निर्माण किया गया है. जिससे परिसर का दृश्य और सुंदर हो जाता है. महाकाली मंदिर में माता काली की विशाल मूर्ति अपने आप में आकर्षण का केंद्र रहती है तथा उनके ही साथ में माता महालक्ष्मी, महासरस्वती, माता लारादेवी, सदाशिव, माता भुवनेश्वरी देवी, माता चिन्नमस्तीका देवी, माता भैरवी, माता धूमावती देवी, गणेशजी, माता दुर्गा मां, हनुमानजी, भैरवबाघ विराजमान हैं. शिवमंदिर में रोज आरती, अभिषेक प्रसाद का प्रतिदिन वितरण किया जाता हैं, मंदिरों में शिवलिंग को बेलपत्ती, शमीपत्र, धतूरा, कनेर, हरीश्रृंगार आदि फूलों से शानदार सजाया जाता है.

जिले में 5 सितंबर तक निषेधाज्ञा लागू

गोंदिया : जिले में 22 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक की अवधि में विभिन्न दलों व संगठनों द्वारा उनकी लंबित मांगों के संदर्भ में अनशन, धरना, मोर्चा, रास्ता रोको, जेल भरो व हड़ताल आदि आंदोलन आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद, 28 अगस्त को रक्षाबंधन व 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी ये त्योहार/उत्सव मनाए जाने वाले हैं। इसलिए जिले में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए कानून व व्यवस्था अबाधित बनाए रखने की दृष्टि से अतिरिक्त जिलादंडाधिकारी, गोंदिया को प्राप्त अधिकारों के अंतर्गत सन 1951 के मुंबई पुलिस अधिनियम क्रमांक 22 की धारा 37 (1) (3) के अनुसार दिनांक 22 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक अतिरिक्त जिलादंडाधिकारी भैय्यासाहेब बेहेरे ने जिले में निषेधाज्ञा लागू की है। उक्त अधिसूचना की किसी भी शर्त का उल्लंघन होने पर संबंधितों के विरुद्ध फौजदारी नियमों के अंतर्गत उचित कार्रवाई की जाएगी।

नराटीटोला-कोहलीटोला मार्ग बदहाल

सड़क अर्जुनी : तहसील अंतर्गत नराटीटोला-कोहलीटोला मार्ग की जर्जर हालत के कारण क्षेत्र के नागरिकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने से मार्ग पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं और कई हिस्सों में सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है. ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग नराटीटोला और कोहलीटोला को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है. इस मार्ग से दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों के अलावा विद्यार्थी, किसान और अन्य ग्रामीण नियमित रूप से आवागमन करते हैं.

जिला पशु क्लेश निवारण समिति पर गैर-सरकारी सदस्यों की नियुक्ति आवेदन प्रस्तुत करें

संवाददाता / गोंदिया

पशु क्लेश निवारण अधिनियम 1960 को लागू करने के लिए जिले में जिला पशु क्लेश निवारण सोसायटी की स्थापना की गई है। महाराष्ट्र शासन की 14 मार्च 2017 की अधिसूचना के अनुसार उक्त समिति पर गैर-सरकारी सदस्यों की नियुक्ति करने के लिए जिले की गौशाला/पांजरपोळ संस्थाओं में से एक संस्था के अध्यक्ष, पशु कल्याण संबंधी कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के दो सदस्य, मानव हितकारी कार्य करने वाले या पशुओं से प्रेम करने वाले अथवा पशु कल्याण के लिए कार्य करने वाले पांच से छह नामों की सिफारिश शासन को की जानी है।

इसके लिए समूहवार तालुका पशुसंवर्धन एवं दुग्ध व्यवसाय अधिकारी के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन का नमूना तालुका पशुसंवर्धन एवं दुग्ध व्यवसाय अधिकारी तथा दर्ह्गे.हग्म.ग्ह इस वेबसाइट पर उपलब्ध है। अतः संबंधित लोग दि. 10 सितंबर 2026 तक पशुसंवर्धन विभाग पंचायत समिति (सभी) के पास आवेदन प्रस्तुत करें, ऐसा आह्वान पशुसंवर्धन एवं दुग्ध व्यवसाय जिला उपायुक्त, गोंदिया ने किया है।

लोकशाही दिवस का आयोजन 7 सितंबर को

संवाददाता / गोंदिया

जिले में आम जनता के लिए हर महीने के पहले सोमवार को लोकशाही दिवस का आयोजन किया जाता है। सितंबर महीने के पहले सोमवार दि. 7 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे लोकशाही दिवस का कार्यक्रम जिलाधिकारी मंदार पत्की की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया है।

लोकशाही दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा जनता की शिकायतें, कठिनाइयां और समस्याएं सुनी जाएंगी और शासन के विभिन्न विभागों के जिला स्तर के प्रमुख अधिकारियों को उस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएंगे। जिलाधिकारी कार्यालय में लोकशाही दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम में जिन नागरिकों ने 15 दिन पहले आवेदन प्रस्तुत किए हैं, उन्हें ही लोकशाही दिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायतें, कठिनाइयां और समस्याएं प्रस्तुत करनी चाहिए। इस संबंध में सभी जनता ध्यान दें, ऐसा आह्वान निवासी उपजिलाधिकारी भैय्यासाहेब बेहेरे ने किया है।

महाराष्ट्र वन विभाग

सत्यमेव जयते

महाराष्ट्र शासन

गोंदिया वनविभाग गोंदिया

उपवनसंरक्षक, गोंदिया वनविभाग, गोंदिया यांचे कार्यालय.

मनभवन, गायत्री मंदीराजवळ, कुडवा गोंदिया,
फोन नं. 07182 (237265, 234388)
Email:-dyclgondia@mahaforest.gov.in

क्रमांक कक्ष-2/योजना/राज्य योजना/2406-0775/प्र.क्र./26-27/1557 **गोंदिया दिनांक :- 24/08/2026**

बी-1 (B-1) निविदा सुचना क्रमांक 08/2026-27 (Offline)

उपवनसंरक्षक, गोंदिया वनविभाग, गोंदिया अंतर्गत खालीलप्रमाणे कामांची B-1 निविदा गोंदिया वन विभाग कार्यालयात दोन लिफाफा (Offline) पध्दतीने **सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे**कडे नोंदणीकृत असलेले **अभियांता** यांचेकडून मागविण्यात येत आहे. सदर कामाच्या को-या निविदा उपवनसंरक्षक गोंदिया वनविभाग, गोंदिया यांचे कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत उपलब्ध होतील. तसेच सदरचे B-1 निविदा सिलबंद लिफाफयामध्ये **दिनांक** 24.08.2026 **पासून दिनांक** 31.08.2026 रोजी सार्य. 05.00 वाजेपर्यंत उपवनसंरक्षक गोंदिया वनविभाग, गोंदिया यांचे कार्यालयात स्विकारल्या जातील, याची संबंधित कंत्राटदार यांनी नोंद घ्यावी.

टिप- सविस्तर जाहीरात तसेच अटी शर्ती कार्यालयाच्या नोटीस बोर्डावर उपलब्ध करून देण्यात आलेली आहे. तसेच कामे निधी उपलब्धतेनुसार करण्यात येणार आहेत.

अ. क्र.	वनपरिक्षेत्र	कामाचा तपशील	कामाची रक्कम	कामाचे ठिकाण व जिल्हा	ई-निविदेचा प्रकार
1	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway-1 CN 650 Beat Chilati Range Chichgadh	999007	चिल्हाटी ता.देवरी जि.गोंदिया	खुला
2	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway-2 CN 650 Beat Chilati Range Chichgadh	999007	चिल्हाटी ता.देवरी जि.गोंदिया	सू.वे.
3	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway-3 CN 650 Beat Chilati Range Chichgadh	967894	चिल्हाटी ता.देवरी जि.गोंदिया	मजूर संस्था
4	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway CN 641 Beat Dongargaon Range Chichgadh	936840	डोंगरगाव ता.देवरी जि.गोंदिया	खुला
5	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway CN 802 Beat Malkajhari-2 Range Chichgadh	999007	मल्काझरी ता.देवरी जि.गोंदिया	खुला
6	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway CN 638 Beat Piparbhari-4 Range Chichgadh	995857	पिंपरखारी ता.देवरी जि.गोंदिया	खुला
7	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway-1 CN 623 Beat Kakodi Range Chichgadh	985169	ककोडी ता.देवरी जि.गोंदिया	सू.वे.
8	चिचगड	Construction of Fulsh Causeway-2 CN 623 Beat Kakodi Range Chichgadh	991431	ककोडी ता.देवरी जि.गोंदिया	सू.वे.

(पवनकुमार आ. जोंग)
उपवनसंरक्षक
गोंदिया वनविभाग गोंदिया

क्र.संमावज/नाग/३८५/२०२६

'महा वॉकॅथॉन - वॉक फॉर वॉटर' से जलसंरक्षण का संदेश

संवाददाता / गोंदिया

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुधाकररावजी नाईक की जयंती के अवसर पर आज 21 अगस्त को जलसंरक्षण दिवस मनाया गया। पानी और मिट्टी संरक्षण की मुहिम केवल सरकारी पहल न रहकर जनमानस की मुहिम बने, इस उद्देश्य से गोंदिया में 'महा वॉकॅथॉन - वॉक फॉर वॉटर' का आयोजन किया गया। सुबह के प्रसन्न वातावरण में नागरिक, विद्यार्थी, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी तथा विभिन्न संस्थाओं-संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिससे जलसंरक्षण के संदेश को जनभागीदारी का साथ मिला।

गोंदिया में आज शुक्रवार, 21 अगस्त को सुबह 7 बजे जयस्तंभ चौक से वॉकॅथॉन का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। जिला परिषद के अध्यक्ष श्री. लायकराम भेंडारकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. जेनिथ चंद्रा दोंन्तूला, अति. जिलाधिकारी अभिजीत घोरपडे, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. तानाजी लोखंडे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी फरेंद्र कुतिरकर, विजय लोंढे, कार्यकारी अभियंता अजिंक्य वानखडे, जिला जलसंरक्षण अधिकारी सत्यजीत राऊत, सहा. जिला जलसंरक्षण अधिकारी आदित्य राऊळवार, श्रीमती स्वाती तुरकर, जिला परिषद सिंचाई उपविभाग के उप विभागीय अभियंता विजय माळी, विशाल पिंपळे, सुमित नागदेवे, कु. शुभदा अष्टूळ, मृदा व जलसंरक्षण विभाग के उपविभागीय अभियंता मडावी, वसंत राऊत सोनाली ढोके, की उपस्थिति थी।

कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुधाकरराव नाईक के चित्र का पूजन कर अभिवादन किया गया। इसके बाद उपस्थित सहभागी नागरिकों को मृदा व जलसंरक्षण की शपथ दिलाई गई। गोंदिया जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनित चंद्रा दोंन्तूला के हाथों हरी झंडी दिखाकर वॉकॅथॉन का शुभारंभ किया गया।

जयस्तंभ चौक से शुरू हुई वॉकॅथॉन शिवधाम, फुलचूर पहुंची। इस मार्ग पर जलसंरक्षण, पानी बचत और मिट्टी संरक्षण का संदेश देते हुए सहभागी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक वॉकॅथॉन पूरी की। शिवधाम में जलपूजन किया गया वॉकॅथॉन में शामिल नागरिकों के साथ स्कूल- कॉलेज के विद्यार्थी, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी- कर्मचारी, संस्थाओं व संगठनों के पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए सभी उपस्थित लोगों के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था की गई।

जिला परिषद के अध्यक्ष श्री लायकराम भेंडारकर ने कहा कि, पानी का संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाना और भविष्य में पानी की कमी से निपटने के लिए 'पानी रोकें, पानी जमीन में उतारें' यह मूलमंत्र है। इसके माध्यम से जलसंरक्षण के कार्यों को जनभागीदारी से व्यापक रूप में लागू करना आवश्यक है। बारिश के पानी को रोककर उसे जमीन में उतारने तथा जलस्रोतों का पुनर्जीवन करने से भूजल स्तर बढ़ाने और खेती के लिए पानी की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलती है। पानी का उपयोग प्रत्येक व्यक्ति द्वारा आवश्यकता के अनुसार और मितव्ययिता से करना समय की आवश्यकता है। 26 जनवरी तक चलने वाले पानी संरक्षण के विभिन्न उपक्रमों में नागरिक अधिक से अधिक सहभागी हों, ऐसा आह्वान भी उन्होंने किया।

प्रास्ताविक में जिला जलसंरक्षण अधिकारी इंजी. सत्यजीत राऊत ने जलसंरक्षण अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं और उपक्रमों का आयोजन किए जाने की जानकारी दी। ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंरक्षण की मुहिम को अधिक व्यापक बनाना, जनभागीदारी बढ़ाना और पानी की बचत करना अभियान का मुख्य उद्देश्य है, यह उन्होंने स्पष्ट किया। 'गादमुक्त बांध, गादयुक्त खेत' इस उपक्रम से दीर्घकालीन लाभ हुए हैं, यह भी उन्होंने बताया।

'महा वॉकॅथॉन - वॉक फॉर वॉटर' में प्रथम दस सहभागी विजेताओं को मानचिह्न प्रमाणपत्र, पदक देकर अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभि. देवेंद्र रोडगे ने किया, जबकि आभार अभि. आदित्य राऊळवार ने माना। पानी और मिट्टी का संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है, यह संदेश इस वॉकॅथॉन के माध्यम से गोंदियावासियों को प्रत्यक्ष भागीदारी से रेखांकित किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक चंद्रकांत खंडेलवाल द्वारा भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरूनानक वॉर्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर गुरूनानक वार्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित.
संपादक :- चंद्रकात खंडेलवाल, पी.आर.पी एक्ट के तहत जिम्मेदार *